वर्तमान समय में ब्राह्मण आत्माओं का ईश्वरीय कर्त्तव्य

आज चारों तरफ विनाश के बादल घिर चुके हैं- प्रकृति असंतुलित है, मनुष्य की बुद्धि अशान्त है, समाज में अविश्वास और असुरक्षा बढ़ रही है। ऐसे नाजुक समय में ईश्वरीय परिवार के ब्राह्मण बच्चों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। हम केवल साधारण मनुष्य नहीं बल्कि शिव पिता के रूहानी सेवक हैं, जिन्हें इस अहंकारमयी युग में मन्सा शान्ति के सागर की किरणें फैलानी हैं।

आत्म-चेतना में स्थित रहना- शक्ति और शान्ति का मूल

बाबा ने बार-बार कहा है कि "अब देह-भान से मुक्त आत्मा की स्मृति में रहो" यही वर्तमान समय का प्रथम पुरुषार्थ है। जब आत्मा स्वयं को ज्योति बिन्दु समझती है और परमात्मा शिव से शक्ति-संयोग जोड़ती है, तब वह असीम शान्ति और स्थिरता की अनुभूति करती है। आत्मिक भाव की इस स्थिति से मन्सा शक्ति उत्पन्न होती है जो अदृश्य रूप से वातावरण को परिवर्तित करती है। आज समय पुकार रहा है कि हम "श्रेष्ठ-विचार" के योगी बनें और अपनी हर सोच को शुभ, श्रेष्ठ और सात्विक बनाएं- ताकि विचारों की कम्पन्में इस दुःखी संसार को ठंडक पहुंचाएं।

मन्सा सेवा द्वारा विश्व शान्ति की ज्योति जलाना

ईश्वरीय सेवा का सर्वोच्च माध्यम आज मन्सा सेवा है। जब हम योग में बैठते हैं और सच्चे प्रेम से "शान्ति" के प्रकम्पन्न चारों दिशाओं में भेजते हैं तो वे दिव्य शक्तियाँ नकारात्मकता को नष्ट कर वातावरण को शुद्ध करती हैं। विनाश के इन बादलों के बीच हमें "जीवित दीपक" बनकर रहना है - जो स्वयं जले और दूसरों को प्रकाश दे। हर दिन कुछ समय विश्व कल्याण के संकल्पों में लगाना यही सच्चा ईश्वरीय कार्य है।

ईश्वरीय मर्यादाओं में रहकर आदर्श प्रस्तुत करना

ब्रह्माकुमार और ब्रह्माकुमारियों का जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि मानवता के लिए उदाहरण है। वर्तमान समय में जब मूल्य समाप्त हो रहे तब हमें पवित्रता, संयम, सत्य और निश्छल सेवा के आदर्श को जीवन में धारण करना है। हमारा हर कर्म, हर वाणी और हर दृष्टि ऐसे बनें कि देखने वाला अनुभव करे- "यह आत्मा कोई ऊंच सत्ता से जुड़ी हुई है" यही निवारिणी जीवन की पहचान है।

निरंतर योग-स्मृति द्वारा आत्मा को जल बनाना, ज्वाला नहीं

जब संसार की हवाएं तपन और क्रोध में जल रही हों तब ब्राह्मण आत्मा को "शीतल जल" बनना है। इसके लिए बाबा की याद का अभ्यास निरंतर और गहरा होना चाहिए। योग की ठण्डी लहरें ही दूसरे के मन की आग को शान्त कर सकती हैं। अपने भीतर के संकल्पों को दिव्य बनाकर ही हम विश्व में शान्ति की तरंगें फैला सकते हैं।

आज का समय पुकार रहा है- "हे ब्राह्मण आत्माओं जागो और अपने मूल स्वरूप में लौटो" विनाश के इस संगमयुग में ही सच्चा निर्माण छिपा है। जब हम आत्म-चेतना में रहकर परमात्मा के सच्चे सहयोगी बनते हैं, तभी हम विश्व को एक नया सवेरा दे सकते हैं। शान्ति के सागर से शक्ति लेकर उस शीतल प्रवाह को मन्सा रूप में पूरे संसार में फैलाना- यही आज ब्रह्मावत्सों का सर्वोच्च ईश्वरीय कर्त्तव्य है।

नई दिल्ली-हरि नगर। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह को परमात्म संदेश देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. ज्योति, ब्र.कु. शालू व ब्र.कु. गुरप्रीत।

चंडीगढ़-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज के नव-निर्मित भवन 'ग्लोबल डिवाइन लाइट हाउस' का उद्घाटन करते हुए ब्रह्माकुमारीज संस्थान के महिला प्रभाग की चेयरपर्सन राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, ब्रह्माकुमारीज पंजाब जोन की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी व राजयोगिनी ब्र.कु. उत्तरा दीदी। मौके पर हरियाणा विधान सभा के पूर्व स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संजय टंडन, राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा दीदी,प्रयागराज, ब्र.कु. पूनम, ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. ब्र.कु. शांतनु,माउंट आबू, राजयोगी ब्र.कु. मेहरचंद, ब्र.कु. विवेक,माउंट आबू व राजयोगी ब्र.कु. कर्मचंद को उपस्थिति रही। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी व राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने चर्चुअली शुभकामनाएं दी।

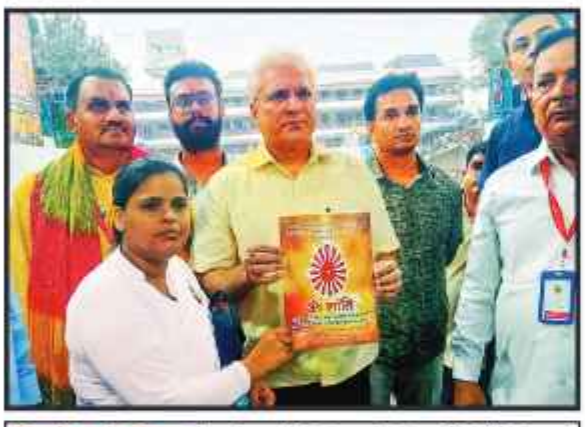

दिल्ली-वसंत विहार। 'छठ पूजा' के अवसर पर दादा देव मंदिर,पालम सेक्टर-8,द्वारका दिल्ली के मैदान में आयोजित पर्व पर उपस्थित विधायक कैलाश गहलोत से स्नेह मुलाकात के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रीशू।

हाथरस-आनन्दपुरी कॉलोनी(उ.प्र.)। राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम की 150वीं जयंती व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के निमित्त ब्रह्माकुमारीज एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. शान्ता बहन। कार्यक्रम में उपस्थित रहे ब्र.कु. वंदना, ब्र.कु. पूजा, ब्र.कु. दिनेश, आरएसएस के प्रान्त प्रचारक धर्मेन्द्र जी, जिला प्रचारक जय प्रकाश जी, नगर प्रचारक शिवम जी, केपीएस के प्रबंधक कमल गुप्ता, विकास हैप्पी होम स्कूल के रविन्द्र निगम तथा अन्य।

हसनपुर-हरियाणा। सनातन एकता पद यात्रा में पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री से स्नेह मुलाकात करते हुए ब्र.कु. इंदिरा व ब्र.कु. मीनाक्षी।

कोटा-कुन्हाड़ी(राज.)। ब्रह्माकुमारीज के शक्ति सरोवर में सोशल विंग द्वारा आयोजित संगम कार्यक्रम के अभियान का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. उर्मिला दीदी, ब्र.कु. विजयलक्ष्मी, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला,राजस्थान,चेयरमैन कोटा नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड, जिला कलेक्टर अनंत जैन,सिक्किम, ओपन यूनिवर्सिटी टेक्निकल रजिस्ट्रार भावना शर्मा, आरएएस दीप्ति मीणा तथा अन्य।

हिसार-बरवाला(हरियाणा) नवरात्रि के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित चैतन्य देवियों की झांकी में आये डॉ. सतीश कुमार व इतिहास की प्राध्यापिका ज्योति को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. इंदिरा।

गया-बिहार। ब्रह्माकुमारीज सिविल लाइंस,गयाजी में आयोजित 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी, चिकित्सक डॉ. नवनीत बिहारी एवं महावीर इंटर कॉलेज के शिक्षक मनोज कुमार।

गोगुन्दा-उदयपुर(राज.)। गीतांजलि इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज देवारी,उदयपुर में इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के लिए स्पिरिचुअल एंड माइंडफुलनेस प्रैक्टिसेस टॉपिक पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. लक्ष्मी, ब्र.कु. रश्मि, ब्र.कु. सैटा, ब्र.कु. हितेश,माउंट आबू, ब्र.कु. दशा,पुणे, प्रोफेसर नीलिमा चव्हाण तथा इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स।